JAIN REFERENCE LIBRARY
ACHARYA SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA
12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

697 697_Search_Results_For_aapat

(1) (राव) लखपत सिंह , (2) अंकपतिता, (3) अंतरपथ, (4) अच्युतपति, (5) अजापति, (6) अझंझपत्ते, (7) अट्टापट्टा, (8) अणहिलपाटण, (9) अणुत्तपत्तो, (10) अणेगपत्ती, (11) अद्धपत्थए, (12) अनङ्गपताका, (13) अनपत्य, (14) अनर्गलिकपाटम्, (15) अनापात, (16) अनापात और असंलोक स्थंडिल की चतुर्भंगी, (17) अनापात-असंलोक स्थंडिल भूमि, (18) अनीकपति, (19) अनुत्तरापपातिकदशावृत्ति :, (20) अनुत्तरोपपातिक देवों के उपशांत मोहत्व प्ररूपण, (21) अनुत्तरोपपातिक देवों के स्थान, (22) अनुत्तरोपपातिक देवों के स्वरूप का प्ररूपण, (23) अनुत्तरोपपातिक देवों को अनन्त मनोद्रव्य वर्गणाओं के जानने-देखने के सामर्थ्य का प्ररूपण, (24) अनुत्तरोपपातिक बालावबोध, (25) अनुत्तरोपपातिक सूत्र बालावबोध , (26) अनुत्तरोपपातिकदशा, (27) अनुत्तरोपपातिकदशाधर , (28) अनुत्तरोपपातिकसूत्र बालावबोध , (29) अनुत्तरौपपातिक, (30) अनुत्तरौपपातिक टबार्थ , (31) अनुत्तरौपपातिकदशा, (32) अनुत्तरौपपातिकदशावृत्ति, (33) अन्यथानुपपत्ति, (34) अन्यथैवोपपत्तिः, (35) अपतिट्ठिए, (36) अपत्तं, (37) अपत्तकारी, (38) अपत्तपडिच्छण, (39) अपत्ति, (40) अपत्तियं, (41) अपत्तियंते, (42) अपत्थं, (43) अपत्थिअपत्थिआ, (44) अपत्थिय, (45) अपत्थियपत्थए, (46) अपत्थियपत्थग, (47) अपत्य, (48) अपत्युपेक्षित, (49) अपदपतितं, (50) अपातय, (51) अपात्र, (52) अपात्र दायक , (53) अभिधानानुपपतिः, (54) अभिहितानुपपत्तिः, (55) अमरपति, (56) अरुणावपात, (57) अरुणोपपात, (58) अर्थापत्ति, (59) अर्थापत्तिदोष, (60) अर्थापत्तिदोषत्रयम्, (61) अर्थापत्तिन्याय, (62) अर्थापत्तिप्रमा, (63) अर्थापत्तिप्रमाणम्, (64) अर्थापत्तिसमा जाति, (65) अवग्रहानन्तक-अवग्रहपट्टकप्रकृतसूत्र, (66) अवपात, (67) अवाईणपत्ता, (68) अवातीणपत्तो, (69) अविरलपत्तो, (70) अष्टपटराणीविवाह, (71) असब्भावपट्ठवणा, (72) आकंचनपट्टग के ग्रहण का विधि-निषेध , (73) आगम छत्रीशी,दुहा शतक,विवेक शतक,मुहपत्ति छत्रीशी,गुरु छत्रीशी,उत्तराध्ययन छत्रीशी , (74) आचार्यचिकित्साविधिज्ञ : संयोगदृष्टपाठी , (75) आतपत्र, (76) आनन्द गाथापति के श्रावक धर्म का विवरण, (77) आनन्दपटह, (78) आपत् प्रतिषेवणा, (79) आपत्तिः, (80) आपागपत्तं, (81) आपात, (82) आपात-चिलातों की प्रार्थना से भरत की सेना पर नागकुमार देव कृत महामेघ वर्षा, (83) आपात-संवास भद्र की विवक्षा से पुरुषों के चतुभँगों का प्ररूपण, (84) आपातज्ञानम्, (85) आयपतिट्ठिए, (86) आयागपट, (87) आराधना बालावबोध, अनुत्तरोपपातिक बालावबोध , संग्रहणी बालावबोध , (88) आरोपणा छह मास की क्यों ? धान्यपटिक दृष्टांत , (89) आलभिका नगरी में चुल्लशतक गाथापति, (90) इंगियपत्थिय, (91) इन्द्रपथ, (92) इयपट्ठा, (93) इर्यापथिका आलोयण सज्झाय, (94) ईर्यापथ, (95) ईर्यापथ आस्रव, (96) ईर्यापथ क्रिया, (97) ईर्यापथकर्म, (98) ईर्यापथक्रिया, (99) ईर्यापथदण्डक, (100) ईर्यापथशुद्धि, (101) ईर्यापथिक और साम्परायिक की अपेक्षा बंध के भेद, (102) ईर्यापथिक प्रतिकमण, (103) ईर्यापथिक बन्ध, (104) ईर्यापथिका आलोयण स., (105) ईर्यापथिकी, (106) ईर्यापथिकी क्रिया, (107) ईर्यापथिकी समाचारी, (108) ईर्यापथिकीक्रिया, (109) ईर्यासमिति : प्राणीयुक्तपथगमनविधि , (110) उक्कोसगमयपत्तो, (111) उडपति, (112) उतपत, (113) उतपति, (114) उत्तमकट्ठपत्त, (115) उत्तमकट्ठपत्ता, (116) उत्तमट्ठपत्ता, (117) उत्तमपात्र, (118) उत्तरपट्टा, (119) उत्तरपट्टो, (120) उत्तराध्ययन बालावबोध, उपपातिक बालावबोध, (121) उत्तरापथ, (122) उत्तरापथे, (123) उत्तरार्ध भरत में सुसेन सेनापति कृत आपात-चिलात-पराजय, (124) उत्ताणपत्त, (125) उत्ताणपत्तय, (126) उत्थलपत्थल्ला, (127) उत्थल्लपत्थल्लण, (128) उत्थल्लपत्थल्ला, (129) उत्पाद और व्यय युगपत्, (130) उथापतां, (131) उदपात, (132) उद्घाटा पौरुषी में अंगपठन निषिद्ध क्यों ?, (133) उपपत्ति, (134) उपपत्तिः, (135) उपपत्तिसमः, (136) उपपत्तिसमा जाति, (137) उपपात, (138) उपपात जन्म, (139) उपपात जन्म, (140) उपपात सभा, (141) उपपात-विरह, (142) उपपात-संवास संभोज , (143) उपपातगति, (144) उपपातज, (145) उपपातजन्म , (146) उपपातसभा, (147) उलपट, (148) उलपति, (149) उल्कापात, (150) ऊर्ध्वकपाट, (151) एक महान उपपात सभा, (152) एकपति, (153) एकपत्य, (154) एगपत्ती, (155) ऐर्यापथिक बंध की अपेक्षा सादिसपर्यवसितादि व देशसर्वादि बंध प्ररूपण, (156) ऐर्यापथिक बन्ध, (157) ऐर्यापथिकं, (158) ऐर्यापथिकी क्रिया, (159) ऐलापत्य, (160) ऐलापत्या, (161) ओत्थल्लपत्थल्ला, (162) ओलिकापात :, (163) औपपातिक, (164) औपपातिक शरीर, (165) औपपातिक सूत्र, (166) औपपातिक सूत्र बाला, (167) औपपातिक सूत्र बालावबोध, (168) औपपातिकवृत्ति, (169) औपपातिकसूत्र बालावबोध, चाणक्यनीति बालावबोध, पुराणश्लोक संग्रह बालावबोध , (170) औपपातिकसूत्रबालावबोध, (171) कंपिलपुर में कुण्डकोलिक गाथापति, (172) कपट पचीसी , (173) कपटमाया, (174) कपाट, (175) कपाटमुद्रा, (176) कपाटरहित द्वार वाले उपाश्रय का विधि-निषेध , (177) कपाटोद्भिन्न, (178) करणापाटवत्त्वम्, (179) करपट, (180) करपटि, (181) कर्णेजपत्व, (182) कलंबचीरपत्त, (183) कलपतरो, (184) कांडकप्रपात, (185) कापटिक, (186) कामदेव गाथापति का कथानक, (187) कामपताका, (188) किण्हपत्त, (189) कुंआरपाठा अनन्तकाय, (190) कुण्डकोलिक गाथापति का कथानक, (191) कुण्डकोलिक गाथापति का समवसरण में जाना और धर्म श्रवण करना, (192) कुलपति, (193) कुलपत्र, (194) कृष्णपत्र, (195)

केवली के ईर्यापथिक बंध , (196) केवली के दो उपयोग युगपत् नहीं , (197) क्षेत्रोपपातगति, (198) क्षेमधर्मपति, (199) खंडप्रपाता गुफा, (200) खगपती, (201) खटपट, (202) खण्डकप्रपात, (203) खण्डकापात, (204) खण्डप्रपातगुफा में नृत्यमालदेव ने भरत को पारितोषिक दिया, (205) खण्डप्रपातगुहा, (206) खण्डप्रपातगुहाकूट, (207) खरतरगच्छपट्टावली, (208) खिस्ती धर्म पण पृथ्वीने सपाट माने छे , (209) गंगा प्रपात कुण्ड का प्रमाण, (210) गंगा प्रपातकुण्ड त्रिसोपान प्रतिरूपक, (211) गंगा महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (212) गंगापात, (213) गंधापाती वृत्त वैताढ्यपर्वत की अवस्थिति और प्रमाण, (214) गङ्गपार्श्वापत्यीय, (215) गङ्गाप्रपातकुण्ड, (216) गङ्गाप्रपातद्रह, (217) गणपतराम, (218) गणपतराम - १ , (219) गणपति, (220) गणपति (ग्रन्थकार), (221) गणपतिदास, (222) गतिप्रपात, (223) गन्धापातिन्, (224) गरुडोपपात, (225) गर्भपातजन्य मृगापुत्र का रोगों से पीड़ित होना, (226) गाथापति, (227) गाथापतिरत्न कृत भरत-सेना की सप्त दिवशीय व्यवस्था, (228) गाथापत्नी थावच्चा और उसका पुत्र थावच्चापुत्र, (229) गीर्हरपतायग्नि, (230) गुरु-उपपातकारक , (231) गुरुगुणषटपट, (232) गृहपति, (233) गृहपति का अलग्रह, (234) गृहपति रत्न , (235) गृहपति-शय्यातर-साधर्मिक का क्षेत्रावग्रह , (236) गृहपतिकुलमध्यवासप्रकृतसूत्र, (237) गृहपतिरत्न, (238) गृहस्थपात्र-वर्जन , (239) गोस्तूप के चरमान्त से वलयामुख महापाताल कलश के मध्यभाग का अन्तर, (240) गोस्तूपादि पर्वतों के चरमान्तों से वलयामुखादि महापाताल कलशों के चरमान्तों का अन्तर, (241) गोस्तूपादि पर्वतों के चरमान्तों से वलयामुखादि महापाताल कलशों के मध्य भागों का अन्तर, (242) गौतम के समीप प्रश्न के लिए प्राश्वापत्यश्रमण उदकपेढाल पुत्र का आना, (243) गौतमपृच्छा,अनुत्तरोपपातिकसूत्र बालावबोध , (244) घटपट, (245) चंपानगरी - पूर्णभद्र चैत्य और पृथ्वी शिलापट्टक, (246) चउडचपट, (247) चचपट, (248) चचपट्ट, (249) चटपट, (250) चतुःस्थानपतित, (251) चत्तुचपाट, (252) चन्द्र-सूर्य का च्यवन और उपपात का प्ररूपण, (253) चमरचंचा आदि में उपपात विरहकाल प्ररूपण, (254) चम्पानगरी में कामदेव गाथापति, (255) चरपटनाथ (नाथपंथीसाधु), (256) चार गतियों के उपपात का विरहकाल प्ररूपण, (257) चालनी और तापसपात्र का दृष्टांत , (258) चित्तपत्त, (259) चित्तपत्तय, (260) चित्रपट, (261) चित्रपत्रक, (262) चिलात का चोर सेनापति होना, (263) चिलात का चोरपल्ली में गमन और चोर सेनापति विजय ने उसे चोर विद्यायें सिखाई, (264) चीनांशुकपट्ट, (265) चुलणीपिता गाथापति का कथानक, (266) चुलनीपिता गाथापति का समवसरण में जाना और धर्म श्रवण करना, (267) चुल्लशतक गाथापति का कथानक, (268) चोर सेनापति विजय की मृत्यु, (269) चोलपट्ट, (270) चोलपट्टउ, (271) चोलपट्टा, (272) चौदह प्रपात कुण्डों के प्रमाणादि, (273) चौदह प्रपातकुण्ड, (274) चौबीसदंडकों में आत्मऋद्धि की अपेक्षा उपपात-उद्वर्तन का प्ररूपण, (275) चौबीसदंडकों में आत्मकर्म की अपेक्षा उपपात-उद्वर्तन का प्ररूपण, (276) चौबीसदंडकों में आत्मोपक्रम की अपेक्षा उपपात-उद्वर्तन का प्ररूपण, (277) चौबीसदंडकों में उपपात विरहकाल प्ररूपण, (278) चौबीसदंडकों में चक्रवर्ती रत्नों का उपपात, (279) चौबीसदंडकों में प्रयोग की अपेक्षा उपपात-उद्वर्तन का प्ररूपण, (280) चौरासी दिगपट बोल, (281) छत्रपति शिवाजी , (282) छपती, (283) छेदपाटी पुस्तक, (284) जघन्यपात्र, (285) जम्बूद्वीप के भरतादि क्षेत्रों में गंगाप्रपातादि प्रपातद्रह, (286) जयपत्तु, (287) जलपथ, (288) जाइ-मण्डपादि में विविध आकर के पृथ्वीशिलापट्ट, (289) जिनपतिसूरि, (290) जिनपतिसूरि (खरतरगच्छीय), (291) जिनपतिसूरिधवल, (292) जिनपतिसूरिधवलगीत, (293) जिनपतिसूरिबधामणागीत, (294) जिनपतिसूरी धवल, (295) झंपापात, (296) डंडपतो, (297) णेत्तपट्ट, (298) तथोपपत्ति, (299) तदुभयपतिट्ठिए, (300) तपति, (301) तपागच्छपट्टावली, (302) तमालपत्तं, (303) तमालपत्रं, (304) तरपअट्ट, (305) तलपत्त, (306) तलपत्तक, (307) तवणिज्जपट्ट, (308) तात्पर्यानुपपत्तिः, (309) तालपट, (310) तालपट्ट, (311) तिमिसगुफा के उत्तर द्वार के कपाटों द्वारा स्वयमेव मार्गदान, (312) तिरीडपट्टए, (313) तिरीडपट्टते, (314) तिरीडपट्टो, (315) तिर्यंच आपात स्थंडिलभूमि, (316) तिलपथ, (317) तिलहारगकपट्ठगो, (318) तीर्थपति , (319) तुंगिया नगरी में पार्श्वापत्य स्थविरों का आगमन, (320) तुवरपत्ते, (321) तूरपत्ति, (322) तेजोलकपत्तन, (323) तेतलीपुत्र को धर्म का बोध कराने के लिये वचन बद्ध पोट्टिला का प्रव्रज्या ग्रहण और देवलोक में उपपात, (324) तेयालगपट्टण, (325) तोयपट्ठं, (326) त्रपत, (327) त्रपति, (328) त्रिभुवनपति, (329) त्रिस्थानपतित (त्रिस्थानिक), (330) थलपट्टणं, (331) दक्षिणपथ, (332) दक्षिणापथ, (333) दलपत, (334) दलपत - १, (335) दलपतदास, (336) दलपति, (337) दहपती, (338) दिकपट चौरासी बोल, (339) दिव्यभाषापति, (340) दीहपट्ट, (341) दुभागपत्तोमोअरिया, (342) दुमपत्तय, (343) दुमपत्तयं, (344) देवकपट्टण, (345) देवकापट्टण, (346) देवपाटण, (347) देवलोक में उपपात, (348) देवाधिदेवों का उपपात, (349) देवेन्द्रोपपात, (350) देवोपपात, (351) देसपट, (352) द्दष्टपाठी, (353) द्दष्टार्थापतिः, (354) द्रुमपत्रक, (355) द्रुमपत्रकं, (356) द्रोणपथ, (357) द्विविध आराधना : अंतक्रिया या देवोपपत्ति , (358) द्वीपसमुद्रोपपत्ति, (359) धंतधोयरुप्पपट्टे, (360) धणपति, (361) धणपतो, (362) धनपति, (363) धनपति \'श्रमण\', (364) धनसारपाठक (उपकेशगच्छीय), (365) धरणोपपात, (366) धर्म पाथेय से सुखी अपाथेय से दुखी , (367) धर्मदत्त धनपति रास, (368) धर्मदेवों का उपपात, (369) धर्मपति, (370) धर्मपत्नी, (371) धर्मरूचि का अनुत्तर देवरूप में उपपात और नागसिरी की निन्दा, (372) नक्षत्रपति, (373) नखपात, (374) नन्दिनीपिता गाथापति का कथानक, (375) नपुंसक आपात स्थंडिलभूमि, (376) नरकान्तप्रपात, (377) नरकान्ता प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (378) नरकान्ता महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (379) नरदेवों का उपपात, (380) नरपति, (381) नरपति - २, (382) नारीकान्ता प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (383) नारीकान्ता महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (384) निःसपत्न, (385) निरयपत्थड, (386) निरयपत्थडा, (387) निर्वाणपथ, (388) निलाटपट्टि, (389) निष्पक्षपातता , (390) निसपति, (391) नीलपटा, (392) नीलपत्त, (393) नीलपत्ता, (394) नीलपत्र, (395) नीसापट्टए, (396)

नोभवोपपातगति, (397) नौकारुप चर्मरत्न द्वारा ससैन्य सुसेण-सेनापति के साथ भरत का सिन्धु नदी पार करना, (398) पउत्थपतिया, (399) पक्षपात, (400) पक्षपातः, (401) पढमपत्तं, (402) पतगपति, (403) पद्मपत्र, (404) पमाणपत्ता, (405) परपक्ष आपात स्थंडिलभूमि, (406) परपतिट्ठिए, (407) पर्याप्ति, (408) पाणिपिण्डपतन, (409) पात्र-अपात्र विवेक : पात्र को भी वाचना नहीं , (410) पादपतन, (411) पाधरपट, (412) पारापत, (413) पार्ब्वापत्य, (414) पार्श्वनाथपत्नीप्रभावतीहरण, (415) पार्श्वापत्य, (416) पार्श्वापत्यीय, (417) पिहितकपाट, (418) पीतपटोली, (419) पुढविसिलापट्टग, (420) पुण्णपत्त, (421) पुण्णपत्तिआ, (422) पुद्गलनोभवोपपातगति, (423) पुरिमताल नगर के समीप चोर पल्ली में चोर सेनापति विजय का पुत्र अभग्नसेन, (424) पुरुष आपात स्थंडिलभूमि, (425) पूरण का चमरचंचा में असुरेन्द्र के रूप में उपपात, (426) पूर्णपत्रिका, (427) पृथ्वीशिलापट्टक, (428) प्रकृतिस्थानपतद ग्रह, (429) प्रजापति, (430) प्रपतन्तो, (431) प्रपातकुण्डों में द्वीप तथा देवियों के भवन, (432) प्रपातनकुशील, (433) प्राजापत्य, (434) प्राजापत्यविवाह, (435) प्राजापत्यस्थावरकाय, (436) प्राजापत्यस्थावरकायाधिपति, (437) प्रापति, (438) प्रापत्ति, (439) प्रापत्य, (440) फड्डगपतिय, (441) फणपति, (442) फलपत्त, (443) बज्झ्क्तपट्ठ, (444) बहुशिलापटक, (445) बोटिकपक्षपाती, (446) भ. महावीर के तीर्थ में आनन्द गाथापति का कथानक, (447) भजनलाल दलपत राम जोशी , (448) भद्दिलपुर में नाग गाथापति का पुत्र " अणीयस ", (449) भरत ने सुसेन सेनापति का सत्कार किया, (450) भवनपति, (451) भवनपति इन्द्रों की अग्रमहिषियाँ, (452) भवनपति इन्द्रों के लोकपालों की अग्रमहिषियाँ, (453) भवनपति और व्यंतर निकाय में इन्द्रो की संख्या, (454) भवनपति और व्यंतर निकाय में लेश्या, (455) भवनपति देव , (456) भवनपति देव कुमार क्यों कहे जाते हैं ?, (457) भवनपति देव के मुकुट-चिह्न,शरीरवर्ण, वस्त्रवर्ण, और भवनों की संख्या (कोष्टक), (458) भवनपति देव व उनके इन्द्रों के नाम, (459) भवनपति देव-देवियों की उत्कृष्ट-जघन्य स्थिति (कोष्टक), (460) भवनपति देवो , (461) भवनपति देवों का निवास, (462) भवनपति देवों के आवास, (463) भवनपति देवों के भवन, (464) भवनपति नाम का अर्थ, (465) भवनपति निकाय के इन्द्रों की स्थिति में अपवाद, (466) भवनपति निकाय के दस भेद, (467) भवनपति निकाय के देवों की जघन्य स्थिति, (468) भवनपति निकाय में उत्तरार्ध के इन्द्रों की उत्कृष्ट स्थिति, (469) भवनपति निकाय में दक्षिणार्ध के इन्द्रों की उत्कृष्ट स्थिति, (470) भवनपति-व्यंतर-ज्योतिष्क देवों में अवधिक्षेत्र, (471) भवनपति-व्यंतर-लेश्या-स्थिति , (472) भवनपतिदेव, (473) भवनपतियों की परिषदाएँ - चमर की परिषदाएँ, (474) भवनपतियों की सेनाएँ और सेनापति, (475) भवनपतियों के सामानिक देवों की और आत्म-रक्षक देवों की संख्या, (476) भवनवासी पदाति सेनापतियों के सात कच्छों में देवों की संख्या, (477) भवोपपातगति, (478) भव्यद्रव्य देवों का उपपात, (479) भावदेवों का उपपात, (480) भावितात्मा अणगार का लेश्यानुसार उपपात का प्ररूपण, (481) भुजगपति, (482) भूजपत्र, (483) भृगुअपत्य, (484) भोगपत्नी, (485) भोजपतर, (486) भोजपत्र, (487) मक्षपथ, (488) मढपति, (489) मध्यमपात्र, (490) मनोज्ञ संयत आपात स्थंडिलभूमि, (491) मलयपट्ट, (492) मलहपतउ, (493) महाध्यानपति, (494) महापाताल, (495) महापातालकलश, (496) महाब्रह्मपति, (497) महाभुतपति, (498) महामहपति, (499) महावीर ७२ वर्षायु खुलासापत्र, (500) महाव्रतपति, (501) महाशतक गाथापति का कथानक, (502) मार्गपतितः, (503) मुंहपट्टिका, (504) मुंहपत्ति, (505) मुखकोश अष्टपट, (506) मुहपतिछत्रीसी, (507) मुहपती, (508) मुहपत्ति, (509) मुहपत्ति पडिलेहण के 25 स्थान, (510) मुहपत्ती , (511) मुहपत्ती पडिलेहणविचार स्तवन, (512) मृगपति, (513) मृगापुत्र के वर्तमान भव के वर्णन में मृगादेवी की वेदना और गर्भपात कराने का विचार, (514) मेघपाट, (515) मेदपाट, (516) मोक्षपथिक, (517) मोहक्षय : तल, सेनापति आदि दृष्टांत , (518) मौर्यपुत्र तामली गाथापति और उसकी प्रव्रज्या ग्रहणाभिलाषा, (519) म्यापतिलंछन, (520) यथापत्य, (521) यात्रापथ में उपयोगी सार्थ , (522) यात्रापथ में वृषभ के कर्त्तव्य , (523) युगपत्सृष्टिः, (524) रक्ता और रक्तवती नदी के प्रपातादि का प्रमाण, (525) रक्ताप्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (526) रक्तावतीप्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (527) रत्नपटली, (528) रत्नापथ, (529) रसपात, (530) राजगृह में महाशतक गाथापति, (531) राजगृह से समीप चोरपल्ली और उसमें विजय चोर सेनापति, (532) रिष्टापती, (533) रुप्यकूला प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (534) रुप्यकूला महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (535) रेवती का सपत्नियों को मार देना, (536) रोहितप्रपातकुण्ड, (537) रोहिता प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (538) रोहिता महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (539) रोहितांश प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (540) रोहितांशप्रपातकुण्ड, (541) रोहितांशा महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (542) र्इर्यापथ, (543) र्इर्यापथकर्म, (544) र्इर्यापथिक, (545) र्इर्यापथिकबंध, (546) लखपत, (547) लखपत जससिन्धु, (548) लखपत पिंगल, (549) लखपत स्वर्ग प्रतिसमय, (550) लखपतमंजरी नाममाला, (551) लखपति, (552) लटपट, (553) लटपटी, (554) लवणसमुद्र + महापातालकलश अने लघुकलशोनुं वर्णन , (555) लेतिकापिता गाथापति का कथानक, (556) लेतिकापिता गाथापति का समवसरण में जाना और धर्मश्रवण करना, (557) लोकपति, (558) लोहितपत्त, (559) लोहितपत्र, (560) वंशपत्र योनि, (561) वज्त्रकपाट, (562) वतपति, (563) वतपतीआला, (564) वनपतिकाय के आठ प्रकार , (565) वरुणोपपात, (566) वस्त्रपात्र-प्रतिलेखना काल , (567) वाणिज्य ग्राम में आनन्द गाथापति, (568) वारणसी नगरी में सुरादेव गाथापति, (569) वाराणसी नगरी में चुलनीपिता गाथापति, (570) विकटापातिन्, (571) विकटापाती वृत्त वैताढ्यपर्वत की अवस्थिति और प्रमाण, (572) विचित्रपत्तए, (573) विचित्रपत्रक, (574) विजय के मरने के बाद अभग्न सेन का चौर-सेनापति होना, (575) विजय प्राप्त कर आये हुए सुसेण सेनापति द्वारा भरत के सन्मुख भेंट अर्पण करना, (576) वितपतिआलां, (577) विद्यापति, (578) विद्यापति ठाकुर, (579) विपापात्मा, (580) विविध अपेक्षा से विस्तृत ईर्यापथिक बंध स्वामित्व, (581) विहारथियेटरपत्रिका, (582) वीरपट्ट, (583) वृषपति, (584) वेभेल सन्निवेश में पूरण गाथापति, (585) वेलन्धरोपपात, (586)

वैश्रमणपपात, (587) वैश्रमणोपपात, (588) व्याघ्रापत्य, (589) व्यापति, (590) शक्र आदि के पदातिसेनापतियों की सात कक्षाओं में देव संख्या, (591) शक्र आदि बारह देवेन्द्रों की सेनाओं और सेनापतियों के नाम, (592) शतपति, (593) शतपत्र, (594) शब्दापातिन्, (595) शब्दापाती वृत्त वैताढ्यपर्वत की अवस्थिति और प्रमाण, (596) शब्दापाती वृत्त वैताढ्यपर्वत के नाम का हेतु, (597) शिलाकपाट, (598) शिलापट्ट, (599) शीता महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (600) शीतोदप्रपातकुण्ड, (601) शीतोदा महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (602) शुक्लपत्र, (603) शेष भवनपतियों की परिषदायें, (604) श्रावस्ति नगरी में लेतिका पिता गाथापति, (605) श्रावस्तिनगरी में नन्दिनीपिता गाथापति, (606) श्रीनागपति, (607) श्रीमज्जिनपतिसूरिणांगीतम्, (608) श्रुतार्थापत्तिः, (609) श्वेतपट, (610) षट्स्थानपतित, (611) संघपट्टक बालावबोध , (612) संघपट्टक भाषाटीका, (613) संघपट्टक वृत्ति, (614) संघपति, (615) संघपति मल्लिदास नो गीत, (616) संघपति सोमजी बेलि, (617) संघपतिचरित, (618) संघपतिसमरसिंह - रास, (619) संडपट्ट, (620) संवेगी मुखपटा चर्चा , (621) संस्तारक-उत्तरपट्ट , (622) सतपत्त, (623) सत्त्वापत्तिः, (624) सपटावता, (625) सपत, (626) सपत्नप्रभु, (627) सपत्वप्रभु, (628) सभापति, (629) समवसरणस्थ देशना आपता, (630) समापत्ति, (631) समापत्तिः, (632) सयपत्त, (633) सहसापतनतापः, (634) सहस्त्रपात्, (635) सहस्रपत्र, (636) सहस्सपत्त, (637) साधारणपिण्डपातलाभसमितियोग, (638) साधुकीर्ति जयपताका गीतम्, (639) सापतउ, (640) साहपत्य, (641) सितपट, (642) सितपट चौरासी बोल, (643) सिद्धउपपत्ति, (644) सिन्धु प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (645) सिन्धु महानदी के प्रपात आदि का प्रमाण, (646) सिन्धुप्रपात, (647) सिन्धुप्रपातकुण्ड, (648) सिलापट, (649) सीता प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (650) सीतोदाप्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (651) सीहसेन ने श्यामा की 100 सपत्नियों को आग में जला दी, (652) सुकुमालिका का पृथक् विहार और देवलोक में उपपात, (653) सुक्किलपत्त, (654) सुनपथ, (655) सुभद्रा की संलेखना. बहुपुत्रिकादेवी के रूप में उपपात, (656) सुरपति, (657) सुरपति कुमार रास, (658) सुरपतिकुमार चोपाई , (659) सुरपतिकुमार चौपई, (660) सुरपतिकुमार रास , (661) सुरपतिसेवित, (662) सुरादेव गाथापति का कथानक, (663) सुरादेव गाथापति का समवसरण में जाना और धर्म श्रवण करना, (664) सुवर्णकूला प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (665) सुवर्णकूला महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (666) सुसेण सेनापति कृत तिमिसगुफा-द्वार का उदघाटन, (667) सुसेण सेनापति द्वारा सिंहल आदि देशों पर विजय प्राप्त करना, (668) सूक्तिप्रपत्या, (669) सूरपतिकुमार चोपाई , (670) सूरीकन्ता ने विष प्रयोग किया, प्रदेशी राजा का समाधिमरण और सूर्याभिदेव के रूप में उपपात , (671) सूर्यपत्तन, (672) सेनापति, (673) सेनापति रत्न , (674) सेनापतिरत्न, (675) सोहमपति, (676) स्कन्दक का अच्युतकल्प में उपपात और महाविदेह में सिद्ध, (677) स्त्र आपात स्थंडिलभूमि, (678) स्थापत्या, (679) स्थापत्यापुत्र, (680) स्थापत्यासुत, (681) स्पर्धकपति, (682) स्मारणा आपातकटु : गुटिकांजन दृष्टांत , (683) स्रपाटिका संहनन, (684) स्वपक्ष आपात स्थंडिलभूमि, (685) स्वप्नपाठकों का विसर्जन, (686) स्वप्नपाठकों को निमंत्रण दिया, (687) हरिकन्ता महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (688) हरिकलश (धर्मघोषगच्छीय जयशेखरपाठक के शिष्य), (689) हरिकांत प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (690) हरिकान्तप्रपातकुण्ड, (691) हरिद्रापत्र, (692) हरिसलिला प्रपातकुण्ड के प्रमाणादि , (693) हरिसलिला महानदी के प्रपातादि का प्रमाण, (694) हलिद्दपत्त, (695) हायपति, (696) हृदय-कपाट, (697) होडपातनु